ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–८४
दिनांक– मंगलवार, ०१ दिसम्बर, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमषः 27.4 एवं 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 52 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 7.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 15.6 एवं दोपहर में 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(02–06 दिसम्बर, 2020)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 02–06 दिसम्बर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 13–14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 4 से 6 कि0 मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्य रुप से पूरवा हवा चलने की संभावना है। बेगुसराय, समस्तीपुर, वैशाली, सीवान तथा मुजफ्फरपुर जिले में अगले 1–2 दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 45 प्रतिषत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- किसान भाई 5 दिसम्बर के बाद गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई प्रारंभ करें। इसके लिए अभी से ही प्रमाणित स्त्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। उत्तर बिहार के लिए गेहूँ की पिछात किस्में जैसे पी0बी0डब्लू0 373, एच0डी0 2285, एच0डी0 2643, एच0यू0डब्लू0 234, डब्लू0आर0 544, डी0बी0डब्लू0 14, एन0डब्लू0 2036, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 अनुषसित है।
- सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की किस्मों की बुआई 5 दिसम्बर तक अवष्य सम्पन्न कर लें। उत्तर बिहार के लिए सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की पी0बी0डब्लू0–343, पी0बी0डब्लू0–443, सी0बी0डब्लू0–38, डी0बी0डब्लू0–39, एच0डी0–2733, एच0डी0–2967, एच0डी0–2824, के0–9107, के0–307, एच0यू0डब्लू0– 206 एवं एच0यू0डब्लू0–468 किस्में अनुषंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन 2.5 ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 125 किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए 100 किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बुआई पूर्व खेत में 150–200 क्विटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम फॉसफोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो, बुआई पूर्व बीज को क्लोरपायरिफॉस 20 ई0सी0 दवा का 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम बीज की दर से अवष्य उपचारित करें।
- गन्ना की रोपाई के लिए स्वस्थ बीज का चयन करें। इसके लिए सी0ओ0पी0– 9301, सी0ओ0पी0–2061, सी0ओ0पी0– 112, बी0ओ–91, बी0ओ– 153 एवं बी0ओ0– 154 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुषंसित हैं। कार्वेन्डाजिम दवा के 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर गन्ना के गेड़ियों को 10–15 मिनट तक उपचारित कर रोपाई करें। दीमक, कल्ला एवं जड़ छिद्रक कीट से बचाव हेतु बीज को क्लोरपाईरिफॉस 20 ई0सी0 का 5 लीटर प्रति हेक्टेयर रोपनी के समय पोरियों पर सिराउर में छिड़काव करें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए 80 किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए 20 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें।
- रबी मक्का की बुआई सम्पन्न कर लें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवष्यकतानुसार सिंचाई करें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। जिन किसानों के खेतों में आलू के पौधों की उँचाई 15–20 से0मी0 हो गयी हो उन्हे आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई सम्पन्न करने का प्रयास करें। राई की फसल जो 20 से 25 दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी 12–15 से0मी0 रखें।
- प्याज की स्वस्थ पौध के लिए पौधषाला से प्रत्येक 10 से 12 दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें। पौधषाला में कीट–व्याधी की निगरानी करें।
- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई तथा आवष्यकतानुसार सिंचाई करें। विषाणु से ग्रसित टमाटर एवं मिर्च के पौधों को जड़ से उखाड़ कर जला दें। रोग की तीब्रता अधिक होने पर इमिडाक्लोप्रिड 1 मी0ली0 प्रति 3 ली0 पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। किसान भाई 10 दिसम्बर तक चना की बुआई अवष्य सम्पन्न कर लें। पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय), के0डब्लू0आर0 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 चना के लिए अनुषंसित उन्नत कस्में हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 27.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 12.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी